11.8.23
C.W

चेतक

Ch-5

शब्दार्थ :-

- रण - युद्ध, जंग
- चौकड़ी - छलाँग
- तन - शरीर
- कोड़ा - चाबुक
- अरि - दुश्मन
- मस्तक - माथा
- तनिक - थोड़ा
- वाग - लगाम
- पुतली - आँख के बीच का काला भाग जिसके के बीच में रोशनी की किरणें प्रवेश करती हैं
- कौशल - होशियारी

- निर्भीक - निडर
- करवालों - बाणाओं
- नद - नदी
- विकराल - डरावना
- वज्रमय - बिजली की चमक के साथ
- घहर - टूट पड़ना
- हय - घोड़ा
- निषंग - तरकश
- खन - खंड - खंड हो जाना
- वैरी - दुश्मन
- दंग - हैरान

1) मौखिक

(क) इस कविता में किसके विषय में बताया गया है?
= इस कविता में राणा प्रताप के घोड़े चेतक के विषय में बताया गया है,

(ख) घोड़ा भी वाग हिलने पर चेतक किस प्रकार चलता था?
= घोड़ा भी वाग हिलने पर चेतक सवार को लेकर उड़ जाता था,

(ग) उसके शरीर पर राणा का कोड़ा क्यों नहीं गिरता था?
= उसके शरीर पर राणा का कोड़ा नहीं गिरता था क्योंकि वह बिना इसके ही तिव्र गती से दौड़ता था,

(घ) किस तरह कह सकते हैं कि चेतक बहुत निराला था?
= चेतक का हवा से पाला पड़ गया था इसलीए वह निराला था,

2) लिखित

(क) युद्ध भूमि में चेतक किस कुशलता से दौड़ता था?
= युद्ध भूमि में चेतक हवा से बाते करते हुए तिव्र गती से दौड़ता था,

(ख) वह शत्रु की सेना पर किस तरह आक्रमण करता था?
= वह शत्रु की सेना पर घहर बनकर आक्रमण करता था,

(ग) दुश्मन किस बात से आश्चर्य चकित रहते थे?
= दुश्मन घोड़े की विचीत्र रंग-ढंग को देखकर आश्चर्य चकित रह जाते थे,

(घ) 'राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था'- इन पंक्तियों का क्या अर्थ है?
= चेतक महाराणा प्रताप के इशारे से काम करता था, उनका संकेत ही उसके लिए प्रयाप्त था,

3) दी गई पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें :-

गिरता न कभी चेतक तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था,
वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था

= कभी भी महाराणा प्रताप चेतक को तिव्र गती से भगाने के लिए कोड़े का प्रयोग नहीं करते थे, चेतक शत्रुओं के मस्तक को रोंदता था अथवा लगता था की वह आसमान पर दौड़ रहा है,

4) सही विकल्प चुनकर (✓) लगाओ

(क) चेतक किसका घोड़ा था?
= राणा प्रताप

(ख) 'करवालें' शब्द से क्या तात्पर्य है?
= बाधाओं

(ग) चेतक कैसी प्रवृत्ति का घोड़ा था?
= वीर

(घ) यह कविता किसके द्वारा रचित है?
= श्यामनारायण पाण्डेय

भाषा बोध :-

1) रेखांकित संज्ञा शब्दों के प्रकार लिखो :-

(i) लोगों का काम ही बुराई करना है, जातिवाचक संज्ञा
(ii) डाकुओं ने सारी संपत्ति लूट ली, जातिवाचक संज्ञा
(iii) दोनों बालकों में गहरी मित्रता थी, भाववाचक संज्ञा
(iv) श्रीकृष्ण के मित्र सुदामा थे, व्यक्तिवाचक संज्ञा
(v) दूसरी लड़की धनी व्यापारी की पुत्री थी, जातिवाचक संज्ञा
(vi) गौतम बुद्ध ने डाकू को सुधारा, व्यक्तिवाचक संज्ञा
(vii) पुत्री अध्ययन में चौगुने उत्साह से लगती, भाववाचक संज्ञा

3) उचित विकल्प पर (✓) लगाओ :-

(i) 'मेघ' का पर्यायवाची नहीं है -
= राह

(ii) 'गाय' का पर्यायवाची नहीं है -
= घृत

(iii) 'इच्छा' का पर्यायवाची नहीं है -
= गृह

(iv) 'आँख' का पर्यायवाची नहीं है -
= दिलासा

(v) 'अपमान' का पर्यायवाची नहीं है -
= निधि

4) दिए गए शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग करके लिखो :-

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
(i) खटाई	खटा	ई
(ii) मानवता	मानव	ता

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
(iii) पाठक	पाठ	क
(iv) पतंगवाला	पतंग	वाला
(v) मुखड़ा	मुख	ड़ा

5) ने के प्रयोग की दृष्टि से वाक्यों को शुद्ध करें -

(i) रानी ने खाना खाएगी ,
= रानी खाना खाएगी ,

(ii) रोहन अच्छा भजन गाया ,
= रोहन ने अच्छा भजन गाया ,

(iii) लक्ष्मीबाई अंगरेजों का वीरता से सामना किया .
= लक्ष्मीबाई ने अंगरेजों का वीरता से सामना किया

(iv) विराट कोहली ने रिकॉर्ड बनाएगा ,
= विराट कोहली रिकॉर्ड बनाएगा ,

(v) दादी माँ ने गुलाब-जामुन बना रही है ,
= दादी माँ गुलाब-जामुन बना रही है ,

२) नीचे लिखे मुहावरों के अर्थ लिखो और वाक्यो में प्रयोग करो :-

(i) अंग - अंग ढीला होना - बहुत थक जाना.
= खेतीबाड़ी से वापस आकर मेरा तो अंग- अंग ढीला होने लगता है.

(ii) ईट का जवाब पत्थर से देना - क्रिया के जवाब में कड़ी प्रतिक्रिया देना.
= कल रात सीमा पर शत्रु की फाइरिंग होने पर भारतीय सेना ईट का जवाब पत्थर से दिया.

(iii) एड़ी चोटी का जोर लगाना - अत्याधिक परिश्रम करना
= मैंने डॉक्टर बनने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया.

(iv) गुलछर्रे उड़ाना - मौजमस्ती करना
= आयुष घर जमाई बनकर अपने रईस ससुर की कमाई से जुआ खेल कर गुलछर्रे उड़ा रहा है.

(v) हवा से बात करना - बहुत तेज दौड़ना
= राणा प्रताप का घोड़ा चेतक हवा से बातें करते हुए दौड़ता था.

(vi) दाँतों तले उँगली दबाना - हैरान हो जाना।
= महाराणा प्रताप की युद्ध कला को देखकर सामने वाले दाँतो तले उँगली दबा देते थे।

—×—